ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार

राउरकेला, शनिवार 31 जनवरी 2026

विमान हादसे की जांच तेज, विमान के हिस्से भुवनेश्वर पहुंचे

राउरकेला ३०/०१ (संवाददाता): अधिकारियों ने बताया कि राउरकेला विमान दुर्घटना में शामिल विमान के क्षतिग्रस्त हिस्सों को विस्तृत तकनीकी जांच के लिए भुवनेश्वर ले जाया गया है। विमान का मलबा दो ट्रकों में लाया गया और मंगलवार देर रात भुवनेश्वर एयरपोर्ट पहुंचा। राउरकेला जाने वाली यह लाइट रात करीब 10 बजे चार यात्रियों के साथ रवाना हुई थी, जब कथित तौर पर इसमें तकनीकी खराबी आ गई, जिससे पायलट को एहतियाती लैंडिंग करनी पड़ी।

सबूतों को सुरक्षित रखा जा रहा है क्षतिग्रस्त विमान के हिस्सों को सावधानी से ले जाया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महत्वपूर्ण तकनीकी सबूत सुरक्षित रहें। अधिकारियों ने बताया कि अब इन हिस्सों की विस्तृत जांच की जाएगी ताकि खराबी के सही कारण का पता लगाया जा सके और नुकसान की सीमा का आकलन किया जा सके। विमान के हिस्सों को ले जा रहे एक ड्राइवर ने बताया कि वे रात 11 बजे के बाद भुवनेश्वर पहुंचे और मलबे को एयरपोर्ट परिसर तक ले जाने के लिए दूसरे वाहन के साथ तालमेल बिठा रहे थे।

जांच जारी है जांचकर्ता उन घटनाओं के क्रम को फिर से बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिनके कारण विमान की आपातकालीन लैंडिंग हुई और उसे नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने कहा है कि तकनीकी विश्लेषण पूरा होने के बाद ही और जानकारी साझा की जाएगी। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि मलबे को सावधानी से संभालना महत्वपूर्ण है ताकि किसी भी ऐसे सबूत को नष्ट होने से बचाया जा सके जो घटना के कारण का पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

स्कूली बच्चों के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू होगी, प्रस्ताव को मंजूरी दी

भुवनेश्वर ३०/०१ (संवाददाता): ओडिशा में स्कूली बच्चों के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू की जा रही है। इस योजना के शुरू होने के बाद छात्र मु त में स्कूल जा सकेंगे। जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार ने इस संबंध में विद्यालय एवं जन शिक्षा विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार का उद्देश्य इस पहल के माध्यम से स्कूलों में विद्यार्थियों के ड्रॉप-आउट दर को कम करना है। यह सेवा मु यमंत्री बस सेवा योजना के अंतर्गत उपलब्ध होगी। स्कूली बच्चे एसी और नॉन-एसी दोनों बसों में यात्रा कर सकते हैं। हालांकि, बस में यात्रा करते समय छात्रों को स्कूल यूनिफॉर्म पहनना और अपना पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य होगा। यह योजना उन मार्गों पर लागू की जाएगी जहां स्कूलों की सं या सबसे अधिक है।

एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 87वीं बैठक संपन्न

संबलपुर ३०/०१ (संवाददाता): महानदी कोल फील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) मुख्यालय में दिनांक 30 जनवरी, 2026 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राभाकास) की 87 वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान राजभाषा हिन्दी के प्रयोग एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। दिसंबर, 2025 तिमाही के लिए प्राप्त प्रगति रिपोर्टों पर विचार-विमर्श करते हुए अधिकारियों ने अपने अनुभव, उपलब्धियों तथा चुनौतियों को साझा किया। बैठक में क्षेत्रों से क्षेत्रीय राजभाषा अधिकारी/नामित राजभाषा अधिकारी तथा मु यालय के विभिन्न विभागों से नामित राजभाषा अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री नरसिंह सिंह, मुख्य प्रबन्धक (खनन/राजभाषा) ने कहा कि राजभाषा हिन्दी न केवल हमारी संवैधानिक पहचान है, बल्कि यह हमारी विचार, संस्कृति और कार्यशैली को एकसूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम भी है। इस प्रकार की बैठकें यह अवसर प्रदान करती है कि हम हिन्दी के प्रयोग-प्रसार की प्रगति की समीक्षा करें, उपलब्धियों पर चर्चा करें तथा भविष्य की कार्ययोजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ठोस कदम निर्धारित करें। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों एवं विभागों में किए जा रहे राजभाषा संबंधी कार्यों की जानकारी साझा की। उन्होंने हिन्दी के प्रोत्साहन हेतु अपनाई जा रही नवाचारी पहलों, चुनौतियों तथा उनके समाधान पर भी चर्चा की। विचार-विमर्श के दौरान सभी ने राजभाषा के प्रयोग को और अधिक व्यावहारिक एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए उपयोगी सुझाव प्रस्तुत किए।

खंडगिरी यात्रा 1,800 सीटों तक सीमित, आयोजकों को नुकसान की आशंका

भुवनेश्वर ३०/०१ (संवाददाता): कमिश्नरेट पुलिस ने इस साल के त्योहार के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ाते हुए, खंडगिरी जात्रा पंडालों में बैठने की क्षमता पर रोक लगा दी है, जिससे हर शो में दर्शकों की सं या 1,800 तक सीमित कर दी गई है। यह फैसला डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस ने बताया, जिन्होंने भीड़ की सुरक्षा और इमरजेंसी की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत गाइडलाइन जारी कीं। निर्देश के अनुसार, बैठने की पंक्तियों के बीच कम से कम तीन फुट का गैप ज़रूरी है, साथ ही पंडालों के अंदर चौड़े रास्ते होने चाहिए ताकि दर्शकों की आवाजाही आसान हो और इमरजेंसी सेवाओं को जल्दी पहुंच मिल सके। सभी जात्रा आयोजन समितियों को नियमों का स ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।आयोजकों ने कम क्षमता पर चिंता जताई हालांकि जात्रा समितियों ने पुलिस के आदेश का पालन करने पर सहमति जताई है, लेकिन उन्होंने बैठने की क्षमता कम होने से होने वाले वित्तीय असर पर चिंता जताई है। इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को खंडगिरी पुलिस स्टेशन में एक बैठक हुई, जिसमें पुलिस अधिकारी और छह जात्रा आयोजन समितियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक के बाद, आयोजकों ने पुलिस और स्थानीय प्रशासन के प्रति स मान दिखाते हुए, हर शो में टिकटों की बिक्री 1,800 सीटों तक सीमित करने पर सहमति जताई।नुकसान के बावजूद टिकट की कीमतें अपरिवर्तित आयोजकों ने पुष्टि की कि टिकट की कीमतें 300 रुपये और 250 रुपये पर अपरिवर्तित रहेंगी, और आश्वासन दिया कि प्रतिबंधों के बावजूद दरों में कोई वृद्धि नहीं होगी। हालांकि, उनका दावा है कि बैठने की क्षमता की सीमा के कारण हर रात लगभग 2 लाख रुपये का नुकसान होगा। इंदिरा कल्चरल यूथ काउंसिल के अध्यक्ष रघुनाथ मोहंती ने कहा कि आयोजक निर्देश का पालन करेंगे। उन्होंने कहा, हमें लगभग 2 लाख रुपये का नुकसान हो रहा है क्योंकि केवल 1,800 सीटों की अनुमति दी गई है। हम बैठने की क्षमता नहीं बढ़ाएंगे। बैठक में तय किए गए अनुसार, जात्रा शांतिपूर्वक और प्रशासन के आदेश के अनुसार स ती से आयोजित की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने दोहराया कि ये उपाय सार्वजनिक सुरक्षा और त्योहार के सुचारू संचालन के हित में किए गए हैं।

सरकारी बस में 40 किलो गांजा, 4 लोगों को किया गया गिरफ् तार

राउरकेला ३०/०१ (संवाददाता): सरकारी बस में गांजा तस्करों के साथ मिलकर गांजा तस्करी करने के आरोप में सुंदरगढ़ पुलिस ने सरकारी बस के कंडक्टर रुपक मिश्रा को गिर तार कर लिया। पुलिस ने तीन गांजा तस्करों को भी गिर तार करने में सफलता हासिल की है। घटना के संबंध में सुंदरगढ़ थाना के डीएसपी सोमनाथ जेना मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि सुंदरगढ़ पुलिस ने एक गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। डीएसपी श्री जेना ने बताया कि राउरकेला.जयपुर चलने वाली ओडिशा राज्य सड़क परिवहन निगम ;ओएसआरटीसीद्ध की सरकारी बस के कंडक्टर रूपक मिश्रा सहित 4 गांजा तस्करों को पेडलर को कथित तौर पर गांजा तस्करी के आरोप में गिर तार किया।

आरएसपी को 'ग्रो केयर इंडिया पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार 2025' से समानित

राउरकेला ३०/०१ (संवाददाता): महारत्न इस्पात समूह सेल की प्रमुख इकाई राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) को वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए 'ग्रो केयर इंडिया पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार 2025' से स मानित किया गया है। यह पुरस्कार नई दिल्ली में भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की संयुक्त सचिव एवं निदेशक, श्रीमती मृणालिनी श्रीवास्तव तथा रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के सदस्य, श्री राजेश गोयल द्वारा प्रदान किया गया। आरएसपी की ओर से यह पुरस्कार पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग के महाप्रबंधक-प्रभारी श्री पी सी दास ने ग्रहण किया।उल्लेखनीय है कि, यह पुरस्कार ग्रो केयर इंडिया द्वारा स्थापित किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय एक प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संगठन है। ग्रो केयर इंडिया प्रतिवर्ष संगठनों, कंपनियों एवं व्यक्तियों को पर्यावरण प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण में उनके सराहनीय योगदान के लिए पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार प्रदान करता है। आरएसपी का चयन इस पुरस्कार के लिए इस्पात निर्माण कार्यों में अपनाई गई उसकी निरंतर एवं समग्र पर्यावरण-अनुकूल पहलों के लिए किया गया। इनमें वायु प्रदूषक उत्सर्जनों का प्रभावी नियंत्रण, अपशिष्ट जल निर्वहन का स त प्रबंधन, अपशिष्ट के अधिकतम उपयोग, व्यापक हरित विकास, जल संरक्षण उपाय तथा स्थानीय समुदायों के उत्थान हेतु प्रभावी सीएसआर पहलें शामिल हैं। यह स मान सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और जि मेदार औद्योगिक विकास के प्रति आरएसपी की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

वन विभाग 25 फुट लंबे कंकाल को संरक्षित करेगा

केंद्रपाड़ा ३०/०१ (संवाददाता): वन विभाग 25-फीट लंबी ब्राइड व्हेल के कंकाल को संरक्षित करेगा, जो देवी नदी के मुहाने के पास किनारे पर बहकर आ गई थी, इसे भितरकनिका नेशनल पार्क के अंदर डांगामल में नेचुरल हिस्ट्री यूजियम में रखा जाएगा। 24 जनवरी को, व्हेल का शव भितरकनिका के कुजंग फॉरेस्ट रेंज के तहत देवी नदी के मुहाने के समुद्र तट पर बहकर आ गया था। इसके कंकाल को संरक्षित करने के इरादे से शव को दफना दिया गया है। वन विभाग ने कंकाल-संरक्षण प्रक्रिया में मदद के लिए जाने-माने वन्यजीव जीवविज्ञानी और टैक्सिडर्मिस्ट सिबा प्रसाद परिदा से पहले ही संपर्क कर लिया है। भितरकनिका के डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर वरदराज गांवकर ने कहा कि परिदा और उनकी टीम ने सोमवार को कंकाल-मार्उंटिंग के काम के लिए शव की जांच की। दफनाई गई व्हेल को दो महीने बाद खोदा जाएगा। इसके बाद, हड्डियां इकट्ठा करने के बाद कंकाल-मार्उंटिंग का काम किया जाएगा।

ओडिशा भविष्य के लिए तैयार और समावेशी विमानन का निर्माण कर रहा

भुवनेश्वर ३०/०१ (संवाददाता): वाणिज्य और परिवहन विभाग की प्रधान सचिव उषा पाढ़ी ने कहा कि ओडिशा का एविएशन सेक्टर पर फोकस सिर्फ़ बातों तक सीमित नहीं है, बल्कि एक व्यापक, भविष्य के लिए तैयार एविएशन इकोसिस्टम बनाने पर है, जहाँ महिलाओं को प्रवेश करने, आगे बढ़ने और नेतृत्व करने के अवसर मिलें। हैदराबाद में एशिया के सबसे बड़े सिविल एविएशन इवेंट विंग्स इंडिया-2026 में एविएशन में महिलाएं विषय पर एक राउंडटेबल सेशन में बोलते हुए उन्होंने कहा, लैगशिप बिल्डिंग एंड मैनेजमेंट ऑफ एविएशन एसेट्स एंड नेटवर्क योजना, जो 4,182 करोड़ रुपये की पहल है, एविएशन विकास के सभी पहलुओं को एक साथ ला रही है, जिसमें एयरपोर्ट आधुनिकीकरण, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, कार्गो और लॉजिस्टिक्स, ड्रोन और ई-ङ्क्षझ्हरुविमान जैसी उभरती हुई टेक्नोलॉजी और तकनीशियनों और पायलटों के लिए एविएशन कौशल विकास कार्यक्रम शामिल हैं। विभाग ने एविएशन प्रशिक्षण इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए दो रूथ पर हस्ताक्षर किए। अल्केमिस्ट एविएशन के साथ समझौते से मयूरभंज के दांडबोस एयरपोर्ट पर एक स्नञ्जह्र की स्थापना में मदद मिलेगी, जिसकी वार्षिक प्रशिक्षण क्षमता लगभग 50 पायलटों की होगी। बॉनव एयरो के साथ एक और रूथ से गंजाम के रेंजेलुंडा एयरस्ट्रिप पर एक (ड्रोन) प्रशिक्षण और परीक्षण केंद्र स्थापित करने में मदद मिलेगी, जिससे यह राज्य में ऐसी पहली सुविधा होगी।

आरएसपी के एसएमएस-1 की 'समर्पण' क्वालिटी सर्कल टीम के अभिनव हस्तक्षेप से भारी बचत

राउरकेला ३०/०१ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के स्टील मेल्टिंग शॉप-1 (एसएमएस-1) की 'समर्पण' क्वालिटी सर्कल टीम द्वारा किए गए एक अभिनव प्रयास से प्रतिवर्ष लगभग 95 लाख रुपये की बचत सुनिश्चित हुई है। इस पहल से इस्पात गुणवत्ता, प्रक्रिया की एकरूपता तथा परिचालन दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

एसएमएस-1 में विभिन्न इस्पात ग्रेडों के उत्पादन हेतु इस्पात टैपिंग के पश्चात लैडल में क्रोमियम, वैनाडियम, एल्युमिनियम एवं अन्य विशेष महंगे मिश्रधातु पदार्थों का सटीक मात्रा में समावेशन आवश्यक होता है। पारंपरिक रूप से यह कार्य या तो ओवरहेड क्रेन के माध्यम से अथवा हाथ से फावड़े द्वारा किया जाता था, जिसके कारण अक्सर अनुचित मात्रा निर्धारण, सामग्री का लैडल से बाहर गिरना तथा गुणवत्ता में असंगति, विशेषकर मैनुअल प्रक्रिया के दौरान, देखने को मिलती थी।

इस महत्वपूर्ण समस्या को पहचानते हुए 'समर्पण' क्वालिटी सर्कल टीम ने विस्तृत मंथन एवं विश्लेषण कर एक अभिनव वाइब्रोफीडर प्रणाली विकसित की। यह प्रणाली मिश्रधातु पदार्थों की सटीक तौल एवं नियंत्रित फीडिंग सुनिश्चित करती है, जिससे विभिन्न इस्पात ग्रेडों के लिए सही मात्रा में समावेशन संभव हो पाता है। वाइब्रोफीडर को कन्वर्टर के समीप 7.5 मीटर लोर लेवल पर रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया है, जिससे संचालन में आसानी एवं सुरक्षा में भी वृद्धि हुई है। वाइब्रोफीडर प्रणाली के क्रियान्वयन से कई लाभ प्राप्त हुए हैं, जिनमें इस्पात ग्रेड की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार, सेकेंडरी स्टील मेकिंग में विचलनों के बोझ में कमी, तथा क्रोमियम, वैनाडियम एवं एल्युमिनियम जैसे महंगे मिश्रधातु पदार्थों का सुरक्षित भंडारण एवं नियंत्रित उपयोग शामिल है। विस्तृत लागत विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ है कि इस पहल से सामग्री क्षति में कमी एवं बेहतर प्रक्रिया नियंत्रण के चलते प्रतिवर्ष लगभग 95 लाख रुपये की बचत हुई है।

इस टीम में कनिष्ठ अभियंता, श्री मनोरंजन साहू, कनिष्ठ अभियांत्रिकी सहायक, श्री त्रिनाथ बारिक, कनिष्ठ अभियांत्रिकी सहायक, श्री अमर कुमार भुइयाँ, कनिष्ठ अभियांत्रिकी सहायक, श्री निशिकांत बारिक एवं कनिष्ठ अभियांत्रिकी सहायक, श्री रोहित कुमार, शामिल थे। टीम के सहायक (फैसिलिटेटर) के रूप में उप प्रबंधक (एसएमएस-1), श्री अर्जुन चरण बेहेरा ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

हाल ही में ग्रेटर नोएडा में आयोजित एनसीक्यूसी-2025 में आरएसपी के लिए पार एक्सीलेंस पुरस्कार जीतने पर टीम सदस्यों को 19 जनवरी 2026 को मु य महाप्रबंधक (एसएमएस-1) कार्यालय में आयोजित एक समारोह में मु य महाप्रबंधक (एसएमएस-1), श्री बी सुनील कार्था, द्वारा स मानित किया गया।

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)
जागृति विहार, बुर्ला - 768 020, जिला - सम्बलपुर, ओडिशा
दूरभाष (ईपीएबीएक्स) : 0663-2542461 से 469, वेबसाइट : http://www.mahanadicoal.in

सूचना

सामानों, कार्यों एवं सेवाओं के क्रय हेतु सीआईएल एवं इसकी सहायक कंपनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.coalindia.in**/संबंधित सहायक कंपनी (एमसीएल, **www.mahanadicoal.in**), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://coalindiatenders.nic.in** एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, जीईएम पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से भी ये क्रय उपलब्ध है।
R-5284